भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बुधवार को बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश यात्रा को संबोधित किया। इस दौरान स्थानीय बालिकाओं ने मंच पर पूनिया का फूलमालाओं से स्वागत किया।

जनाक्रोश यात्रा का दूसरा चरण आरंभ, प्रदेशभर में जन सभाएं कर रही है भाजपा

प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया कई जन सभाएं संबोधित कर चुके हैं और अब अन्य वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रम भी तय कर दिए गए हैं

- **22 से 24 दिसंबर के बीच गुलाब चंद कटारिया सहित अन्य प्रमुख नेता व विधायक जन सभाएं करेंगे ।**
- **पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे गुट के कई नेताओं को भी जिम्मेवारियां दी गई हैं।**

जयपुर, 21 दिसम्बर (का.सं.)। प्रदेश भाजपा की ओर से निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा के दूसरे चरण में जन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया कई इलाकों में जाकर जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

इसी क्रम में दौरान प्रदेशाध्यक्ष पूनिया पाली, अजमेर, सीकर, झुंझुनू, नागौर, उदयपुर, भरतपुर, दौसा, जयपुर शहर, बांसवाड़ा सहित अनेक स्थानों पर जनसभाओं को सम्बोधित कर चुके हैं।

अब पार्टी ने कई वरिष्ठ नेताओं को जगह व तारीख आवंटित की है, जहां जाकर वो जनसभा को संबोधित करेंगे।

पार्टी की ओर से जारी सूचना के अनुसार 22 दिसंबर को उपनेता प्रतिपक्ष, गुलाबचंद कटारिया और एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया बागीदौरा में, विधायक कालीचरण सराफ और रामलाल शर्मा सीकर, विधायक ज्ञानचंद पारख और पूर्व मंत्री ओटाराम देवासी भीनमाल, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांता मेघवाल अंता में मुख्य वक्ता के रूप में जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसी तरह 23 दिसंबर को उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रकांता मेघवाल को नीमकाथाना, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा और पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी को पुष्कर, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच और पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित को सांचौर में जनसभा को संबोधित करने की जिम्मेवारी दी गई है।

चौबीस दिसंबर को प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां और एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल रायसिंहनगर, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया पीलीबंगा, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और सांसद सीपी जोशी बेगूं, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सांसद पीपी चौधरी भोपालगढ़, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड और पूर्व विधायक गोवर्धन वर्मा फतेहपुर और पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी और सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया सवाई माधोपुर के खंडार में जनसभा को संबोधित करेंगे।

'वर्ष 2023 में मेरे आदिवासी भाई बहनों का सम्मान दोगुना करके लौटाऊंगा'

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने कुशलगढ़ में विशाल आमसभा को संबोधित किया

- **डॉ.पूनिया ने राहुल गांधी से 17वां सवाल पूछा, कांग्रेस सरकार नॉन टीएसपी के लोगों का तबादला कब करेगी, यहां जो सीटें खाली होंगी, वो सीटें टीएसपी के नौजवानों से कब भरी जाएंगी।**
- **पूनिया ने कहा, आदिवासी भाई-बहन मेरे अपने हैं, इनका दुख-दर्द मेरा अपना है, इनके सम्मान, समृद्धि और खुशहाली के लिये भाजपा की सरकार 2023 में संकल्पित होकर काम करेगी।**

जयपुर/कुशलगढ़/बांसवाड़ा, 21 दिसम्बर (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज कुशलगढ़ और बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश सभाओं को संबोधित किया, जिनमें काफी संख्या में आमजन और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुये सतीश पूनिया ने कहा कि मैं तीन दिन से वागड़ क्षेत्र में हूं, जनजाति भाई-बहनों से संवाद कर रहा हूं, उनकी समस्यायें जान रहा हूं, जिनका हम भाजपा की सरकार बनने पर समाधान करेंगे। जिस तरह यहां के लोगों में कांग्रेस सरकार के प्रति आक्रोश दिख रहा है, उससे तय है कि 2023 में कांग्रेस की विदाई होगी और पूरी शान से भाजपा का सूरज उदय होगा। मैं 2023 में मेरे आदिवासी भाई बहिनों का सम्मान दो गुना करके लौटाऊंगा।

कुशलगढ़ में जनसभा संबोधित करते हुये पूनिया ने कहा कि कुशलगढ़ पहली बार आया हूं, बार-बार यहां आऊंगा कि क्योंकि एक तो यहां के लोग बहुत कुशल हैं तो दूसरा भीमा बाई ने इतना बढ़िया स्वागत कराया, मक्के की रोटी, उड़द की दाल, चने की भाजी खिलाई और पापड़ी भी खिलाई। आपके सामने जो बैठी हैं निर्मला जिला प्रमुख हैं और सूर्या प्रधान हैं, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोसिंह शेखावत द्वारा पंचायतीराज में महिलाओं को आरक्षण का प्रावधान करने से ये दोनों आदिवासी महिलाएं आपके बीच में सम्मान और स्वाभिमान के साथ बैठी हैं।

उन्होंने कहा कि आदिवासियों के उत्थान का काम पहली बार भाजपा की सरकार में भैरोंसिंह शेखावत ने किया और पूरे देश में आदिवासियों की उन्नति और बुनियादी सुविधाओं के साथ मुख्यधारा में लाने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। आप सब लोगों की कुशलता और हालचाल जानने के लिए आया हूं और भाजपा की जो जन आक्रोश यात्रा है, उस यात्रा की सभा के लिए आया हूं। जनता में आक्रोश इसलिये है कांग्रेस सरकार के खिलाफ, कि बिजली नहीं, पानी नहीं, रोजगार नहीं, कर्जा माफी नहीं हुई, अपराध बढ़ रहे हैं, सड़कें टूटी हैं, तो इन सब मुद्दों को लेकर आप लोगों के बीच जागरुकता के लिये आया हूं।

पूनिया ने कहा कि आप सब लोगों के मन में भी भारी पीड़ा है कांग्रेस की जनविरोधी सरकार के खिलाफ। कांग्रेस के लोग झूठ कैसे बोलते हैं, यह आप सबको पता ही है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी से रोज एक सवाल पूछता हूं, जिससे कांग्रेस के लोग नाराज होते हैं, आज मैं आपके सामने 17वां सवाल पूछ रहा हूं। राहुल गांधी मैं इस जनता की अदालत से पूछना चाहता हूं कि नॉन टीएसपी के लोगों का तबादला उनके क्षेत्र में कब होगा और वो जो सीटें खाली होंगी उस जगह जनजाति के नौजवानों की भर्ती कब होगी?

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इतिहास ऐसा पढ़ाया कि आजादी के आंदोलन में आदिवासी का कोई योगदान नहीं दिखाया, जो उनको पंसद आया वो ही इतिहास में लिखा और पढ़ाया, लेकिन मैं उन लोगों को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने मानगढ़ की पवित्र भूमि पर उस इतिहास को खोज निकाला, जब गोविंद गुरू के नेतृत्व में 1500 से ज्यादा आदिवासी बहनों और भाइयों ने अंग्रेजों की हुकूमत से मोर्चा लिया था।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा, एसटी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य, हकरू भाई मइडा, जिला अध्यक्ष गोविंद सिंह राव, विधायक कैलाश मीणा, पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई, पूर्व मंत्री भवानी जोशी, धनसिंह रावत, एसटी मोर्चा प्रदेश मंत्री धमेन्द्र, जिला प्रभारी दिनेश भट्ट, प्रधान कानहिंग रावत, प्रधान बलवीर रावत, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपसिंह वसूनिया इत्यादि उपस्थित रहे।

स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त हुई, 5 बच्चों की मौत

- **मणिपुर में हुई इस दुर्घटना में 40 अन्य बच्चे गम्भीर रूप से घायल हो गये।**
- **स्कूल बस बच्चों को स्टडी टूर कराने ले जा रही थी।**
- **घायल बच्चों का इलाज चल रहा है।**

इंफाल, 21 दिसंबर (वार्ता)। मणिपुर में बिष्णुपुर और खौपुम के बीच लीमाटक के पास बुधवार को एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पांच स्कूली बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गयी और 40 अन्य घायल हो गये।

राज्यपाल ला गणेशन, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, मंत्रियों, नागरिक समाजों और छात्रों के संगठनों ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। अधिकांश घायलों को इंफाल के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है।

राज्यपाल ने जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस) के मुर्दाघर का भी दौरा किया जहां शवों को रखा गया था और मृतक व्यक्तियों के परिवारों को सांत्वना दी। बीरेन सिंह बाद में अस्पताल पहुंचे और पीड़ितों से मिले। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने दुर्घटना के बारे में जानकारी सोशल मीडिया पर अपलोड करने से सरकार को बचाव अभियान शुरू करने में मदद मिली।

बीरेन ने कहा कि हादसे में पांच छात्रों, एक वार्डन और एक शिक्षक की मौत हुई है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त हुई बस में 47 लोग सवार थे। इनमें थम्बलनू हायर सेकेंडरी स्कूल, येरिपोक टॉप चिंगथा के छात्र और कर्मचारी शामिल थे, जो खौपुम के वार्षिक अध्ययन दौरे के लिए गए थे।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कैबिनेट मंत्रियों के साथ चर्चा के बाद मृत व्यक्तियों के परिजनों को पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है।

वाड्रा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुहार की है।

एनफोर्समेंट डायरैक्टोरेट की ओर से 'एडीशनल सॉलिसिटर जनरल' (ए.एस.जी.) राजदीपक रस्तोगी ने ई.सी.आई.आर. को रद्द करने की वाड्रा की याचिका के खिलाफ बहस की। उन्होंने अदालत को कहा कि इस मामले में वर्ष 2018 से ही रॉबर्ट वाड्रा के वकीलों ने रोक लगवा रखी है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि रॉबर्ट वाड्रा को ई.डी. की ओर से ई.सी.आई.आर. की कॉपी भी प्रस्तुत नहीं की गई है, परंतु वरिष्ठ अधिवक्ता आर.डी. रस्तोगी ने अदालत में कहा कि ई.सी.आई.आर. की कॉपी प्रस्तुत नहीं करने की वजह से इसे रद्द नहीं किया जा सकता।

उन्होंने बताया कि अदालत ने इस मामले में तीन दिन की बहस के बाद आज कहा है कि वह इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित कर रही है और 22 दिसम्बर को ही अपना फैसला सुनाएगी।

'जैसे चीन घुसा उसी तरह से हम महाराष्ट्र वाले कर्नाटक में घुसेंगे'

शिवसेना-उद्धव ठाकरे पार्टी के सांसद संजय राउत ने सीमा विवाद पर यह धमकी दी

- **महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर कर्नाटक के नेता गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से गुरेज नहीं करेंगे, तो महाराष्ट्र कायना बांध से कर्नाटक की जाने वाली जल आपूर्ति को बंद कर सकता है।**

मुंबई, 21 दिसम्बर। शिवसेना-यूटीबी सांसद संजय राउत ने बुधवार को कर्नाटक में घुसने की धमकी दी और कहा वह भी वैसे घुसेंगे जैसे चीन ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया है और इसके लिए किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच विवादास्पद सीमा विवाद पर नए सिरे से वाकयुद्ध छिड़ गया है। उन्होंने कहा, जैसे चीन भारत में घुसा है, वैसे ही हम भी कर्नाटक में घुसेंगे। हमें इसके लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। हम इसे बातचीत के जरिए सुलझाने के इच्छुक हैं, लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री आग भड़का रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री भी सीमा विवाद के संबंध में कई बयान दे रहे हैं। महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर कर्नाटक के शीर्ष नेता दोनों राज्यों के बीच बढ़ते सीमा विवाद के बीच गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से गुरेज नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र को अपनी बांधों से पड़ोसी राज्य को पानी की आपूर्ति के बारे में पुनर्विचार करना होगा।

देसाई ने यहां विधान भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और अन्य नेता गैर-जिम्मेदार बयान देना बंद नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र को अपनी बांधों से पड़ोसी राज्य को पानी की आपूर्ति के बारे में पुनर्विचार करना होगा।

देसाई ने कहा कि अगर कर्नाटक सरकार के उस रुख की आलोचना की जिसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र को एक इंच भी जमीन नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोनों राज्यों के बीच चल रहे सीमा विवाद के बीच कर्नाटक के शीर्ष नेता गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से गुरेज नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र को अपने बांधों से पड़ोसी राज्य को पानी की आपूर्ति के बारे में पुनर्विचार करना होगा।

बेलगावी को लेकर दोनों राज्यों के बीच बढ़ते तनाव के बीच, कर्नाटक विधानमंडल ने राज्य के रुख को दोहराया है कि पड़ोसी राज्य को एक इंच जमीन भी नहीं दी जाएगी।

गौरतलब है कि मंगलवार को कर्नाटक विधानसभा में सीमा विवाद पर बहस के दौरान खुद मुख्यमंत्री बोम्मई ने इस मुद्दे पर जोर देते हुए राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने का सुझाव दिया था।

शाहरुख खान दुनिया के 50 महानतम कलाकरों की लिस्ट में

- **एम्पायर मैगज़ीन ने अब तक के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट जारी की है।**

मुंबई, 21 दिसंबर (वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान एम्पायर मैगजीन की लिस्ट में दुनिया भर के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट में शामिल किये गये हैं।

एम्पायर मैगजीन के अब तक के 50 महानतम कलाकारों की लिस्ट जारी की है, जिसमें भारत से एकमात्र शाहरुख ऐसे शख्स है, जिसका नाम इसमें शामिल हैं। एम्पायर मैगजीन की लिस्ट में हॉलीवुड के टॉम हैंक्स, डेंजल वाशिंगटन, मर्लिन मुनरो, रॉबर्ट डिनीरो, नेटली पोर्टमैन, हीथ लेजर, टॉम क्रूज, लियोनार्दो डिकैपरियो, सैमुअल एल जैक्सन, निकोलस केज, वियोला डेविस, केट, ब्लेंचेट, मारलोन ब्रांडो, टॉम हार्डी, मेरिल स्ट्रीप, क्रिश्चियन बेल, एंथनी हॉपकिंस, जूलियन मूर, चार्लीज थेरोन, अल पचीनो, पेनेलोप क्रूज, योकिन फीनिक्स, मोरगन फ्रीमैन आदि शामिल हैं।

जयमहल पैलेस होटल केस में राज परिवार को राहत

सिविल न्यायालय ने पूर्व राज परिवार के सेवक के वारिस रामसिंह का दावा खारिज कर दिया

- **अदालत ने कहा रामसिंह विवादित संपत्ति पर कब्जे के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका, इसलिए उनका दावा खारिज किया जाता है।**
- **मामला यह है कि, महाराजा मानसिंह ने विवादित जमीन पर दो कमरे रहने के लिए रामसिंह के पिता बख्श सिंह को दिए थे। बख्श सिंह के निधन के बाद यह सुविधा स्वमेव खत्म हो गयी थी, यही नहीं, मानसिंह ने अपने जीवन काल में ही यह जमीन जगत सिंह को सौंप दी थी।**

जयपुर, 21 दिसंबर (का.सं.)। सिविल न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने जय महल पैलेस होटल व नाटाणियों के बाग की कुछ जमीन पर मालिकाना हक के मामले में पूर्व राजपरिवार सदस्यों को राहत देते हुए उनके सेवकों के वारिसान का 37 साल पुराना दावा खारिज कर दिया। अदालत ने रामसिंह व अन्य के दावे खारिज करते हुए कहा, "विवादित संपत्ति पर कब्जे के संबंध में कोई दस्तावेज व फोटो पेश नहीं किए हैं। वादी ने ऐसा कोई गवाह भी पेश नहीं किया है, जो उनके पक्ष में संपत्ति के कब्जे को साबित करता हो। वादी रामसिंह ने भी अपने बयानों में माना है कि विवादित जमीन पर जय महल पैलेस होटल का कब्जा है। ऐसे में वे कोई राहत के हकदार नहीं है।"

मुकदमे से जुड़े अधिवक्ता रामजीलाल गुप्ता ने बताया कि, रामसिंह भाटी व अन्य ने पूर्व राजपरिवार के सदस्य भवानी सिंह, पद्मिनी कंवर, दीया कुमारी, पद्मनाभ सिंह सहित रामबाग होटल के मैनेजर विक्रम सिंह को पक्षकार बनाते हुए 1985 में कोर्ट में दावा किया था। दावे में कहा था कि भवानी सिंह के पूर्वजों ने उनके पिता बक्स सिंह को यह जमीन मालिकाना हक सहित दी थी। उनके पिता का निधन 1980 में हो चुका है और इस संपत्ति पर वो और उनके वारिस मालिक की हैसियत से रह रहे हैं। बिजली व जलदाय विभाग ने भी उनके पिता के नाम से बिजली व पानी का कनेक्शन दिया था, लेकिन अब प्रतिवादी उनके मकान व संपत्ति पर कब्जा कर उन्हें बेदखल करना चाहते हैं।

प्रतिवादियों ने उन्हें संपत्ति से बेदखल करने का प्रयास भी किया। इसलिए प्रतिवादियों को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाए कि वे वादियों को संपत्ति के उपयोग, उपभोग से ना रोकें तथा जबरन प्रवेश व तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं करें।

जवाब में पूर्व राजपरिवार का कहना था कि, महाराजा मानसिंह ने विवादित संपत्ति पर दो कमरे ही रहने के लिए दिए थे और श्री बक्स सिंह के सेवाकाल से अवकाश लेने पर उनका जमीन पर लाइसेंस खत्म हो गया था। ऐसे में वादी जमीन पर अतिक्रमी की हैसियत से रह रहे थे। मानसिंह ने अपने जीवनकाल में ही यह जमीन अपने बेटे जगत सिंह को, 5 मई 1985 को दे दी थी और तब से वे ही इस जमीन पर काबिज रहे। बाद में जगतसिंह ने इस जमीन को ताज ग्रुप को लीज पर दिया था। ऐसे में वादियों का दावा खारिज किया जाए।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर पूर्व राजपरिवार व अन्य के खिलाफ दायर दावे को खारिज कर दिया।

साउथ इंडिया में और आक्रामक...

'मिलटरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पूछा, "हमले रोके क्यों नहीं जा रहे। भारत में छापेमारी की चीन की हिम्मत कैसे हो रही है, और हमारा जवाब शुद्ध रुप से प्रतिक्रियास्वरुप होता है।"

उन्होंने कहा: "हम मात्र इतना जानना चाहते हैं कि हमारी तैयारी किस स्तर की है। चीनी पी.एल.ए. सेना से हुई 16 राउन्ड की वार्ताओं का हासिल क्या रहा? बाली में प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी से, अगर कुछ कहा भी था तो, क्या कहा था?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा: "हमारी मांग सिर्फ यह थी कि सदन में चर्चा हो। चीनी अतिक्रमण के बारे में जानकारी दी जाये, जिससे देश की जनता सूचित हो सके। अगर चर्चा नहीं होती है तथा केवल इकतरफा जवाब दिया जाता है तो वह किस काम का है?"

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ड्रग टैस्ट के लिये अपने खून के नमूने दें? दोनों नेताओं राज्य के मन्त्री के.टी. आर तथा भाजपा नेता बाँदी संजय-के बीच की इस उत्तेजक बयानबाजी ने राजनैतिक लड़ाई को एक बहुत ही निम्न स्तर की लड़ाई का रूप दे दिया है तथा इससे सार्वजनिक बयानों का स्तर गिर रहा है।

वहीं दक्षिण भारत में तेंलगाना के पड़ौसी राज्य तमिलनाडु में भी "टाइम मशीनों" को सत्तारूढ़ द्रमुक (डी.एम.के.) तथा विपक्षी भाजपा के बीच एक दिलचस्प वाकयुद्ध चल रहा है। द्रमुक ने भाजपा के प्रान्तीय अध्यक्ष के. अन्नामलाई, जो राजनीति में आने से पहले सरकारी सेवा में थे, से सवाल पूछा है कि वे घड़ी खरीदने के लिये 5 लाख रूपये कैसे खर्च कर सकते हैं? इसके प्रत्युत्तर में, भाजपा ने उतना ही तीखा प्रहार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तथा उनके बेटे, जो इस समय मन्त्री हैं, की महँगी घड़ियों को लेकर किया है।

जब अन्ना मलाई से घड़ियों के बारे में प्रश्न किया गया तो उन्होंने पत्रकारों से कहा बताते हैं कि वे घड़ी के बारे में पूरा विवरण देने को तैयार हैं, बशर्ते स्टालिन, उनके बेटे तथा दामाद यह स्पष्टीकरण दें कि वे अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग और इतनी महँगी घड़ियाँ पहनने में किस तरह सक्षम हुये। लेकिन चुनावाधीन कर्नाटक में, भाजपा जनता के गुस्से का निशाना है और बिगड़ती छवि से पीड़ित है। उसके वरिष्ठ नेता धमकी दे रहे हैं कि अगर वे मन्त्री नहीं बनाये गये तो वे सरकार गिरा देंगे। राजनैतिक रूप से प्रभावी कुरूबा जाति के प्रतिष्ठित भाजपा नेता के.एस. ईश्वरप्पा, जिन्हें एक ठेकेदार द्वारा की गई आत्महत्या के बाद मन्त्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था, को अब क्लीन चिट मिल गई है, लेकिन फिर भी उन्हें पुन: मन्त्री नहीं बनाया गया। इसको लेकर आक्रोशित इस वरिष्ठ विधायक ने माँग की है कि उन्हें पुन: मन्त्री बनाया जाये तथा वे खुली धमकियाँ दे रहे हैं।

ईश्वरप्पा को जिस ठेकेदार की आत्महत्या के फलस्वरूप इस्तीफा देना पड़ा था, उसने आत्महत्या से पहले यह आरोप लगाया था कि ईश्वरप्पा ने ठेकों के एवज में उससे 40 प्रतिशत कमीशन माँगा था। उसी समय से कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ "40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार" प्रचार शुरू कर दिया था। ये वरिष्ठ भाजपा विधायक विरोध स्वरूप बेलगावी में चल रहे विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हुये हैं।

भाजपा नेतृत्व उनसे सम्पर्क करने तथा उन्हें शान्त और सन्तुष्ट करने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल, पार्टी अपने विधायकों को रोके हुये हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नही चल रहा है तथा कुछ वरिष्ठ विधायक चुनाव लड़ने के लिये टिकट मिलने के सम्बन्ध में आशंकाएं व्यक्त कर रहे हैं। भाजपा के लिये सौभाग्य की बात यह है कि इस समय कांग्रेस भी बँटी हुई है तथा उसके दो शीर्षस्थ नेता-पूर्व मुख्यमंत्री एस. सिद्धरमैया तथा के.पी.सी.सी. प्रमुख डी.के. शिवकुमार अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हैं।

माफी योजना के तहत जेल से रिहा होंगे 1031 कैदी

- **केन्द्रीय मंत्री अजय कुमार ने बताया कि, सजा पूरी होने के बावजूद भी ये कैदी जुर्माने की राशि अदा नहीं कर पाने के कारण जेलों में बंद हैं।**

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर (वार्ता)। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार ने आज राज्यसभा को बताया कि देश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या 78 फीसदी है।

कुमार ने बुधवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि जेल, उनका प्रबंधन तथा कैदियों का विषय राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। केन्द्र सरकार जेल प्रबंधन और कैदियों के बारे में समय समय पर परामर्श जारी करती है। उन्होंने कहा कि जहां तक विचाराधीन कैदियों का सवाल है इनके बारे में कोई भी निर्णय न्यायालय को ही लेना है।

यह पूछे जाने पर कि सरकार उन 1031 कैदियों के बारे में क्या कदम उठा रही है जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है लेकिन जुर्माने की राशि नहीं देने के कारण वे अभी भी जेलों में ही बंद हैं कुमार ने कहा कि केन्द्र सरकार ने एक माफी योजना शुरू की है जिसमें आगामी 26 जनवरी तथा आगामी 15 अगस्त को राज्यों की सिफारिश पर कैदियों की रिहायी की जायेगी। इसी योजना के तहत गत 15 अगस्त को भी कुछ कैदियों को रिहा किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस तरह के मामले में एक समिति का गठन करती है और फिर समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रस्ताव भेजती है जिनपर केन्द्र सरकार विचार करती है। उभयलिंगी कैदियों के बारे में जेलों में अलग व्यवस्था के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों वाले कैदियों को जेलों में विशेष परिस्थितियों में ही रखा जाता है।

चीन से आने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ऐसी स्थिति में मेरा आपसे आग्रह है कि, चीन आने-जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाओं पर अविलंब प्रतिबंध लगाये जाने की कार्रवाही करें, जिससे वहां के संक्रमित नागरिक हमारे देश में नहीं आ सकें, तथा देश में करोना जैसी महामारी के संक्रमण की स्थिति उत्पन्न नहीं हो और चीन के रास्ते अन्य देशों से आने वाले नागरिकों का पूर्व की भांति हवाई अड्डे पर करोना टैस्ट करवाया जाये। जिससे संक्रमित नागरिक हमारे देश में नहीं आ सकें।

पत्र में सराफ ने कहा, मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप स्थिति की गंभीरता को समझते हुए मेरे उक्त आग्रह को स्वीकार कर चीन से अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाओं पर अविलंब प्रतिबंध लगाने का निर्णय लेकर अनुग्रहित करेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908